हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 28 अप्रैल, 2025

तापमान

अधिकतम 40 .0 डिग्री
न्यूनतम 24 .5 डिग्री

11 पहलगाम के दिवंगत पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी

12 आतंकवाद के खिलाफ देश की एकता बड़ी ताकतः पूनिया

खबर संक्षेप

सेटरिंग स्टोर के बाहर से मुनीम की बाइक चोरी

धारूहेड़ा। गांव अलावलपुर में सेटरिंग स्टोर के बाहर से व्यक्ति की बाइक चोरी हो गई। गांव बूढ़ी बावल जिला खैरथल राजस्थान निवासी प्रवीण कुमार ने धारूहेड़ा थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव अलावलपुर में आरएमएस सेटरिंग स्टोर पर मुनीम का काम करता है। 24 अप्रैल को सुबह करी 9:30 बजे उसने अपनी मोटरसाइकिल स्टोर के बाहर खड़ी की थी। जब वह शाम करीब 3 बजे बाहर आया तो वहां से मोटरसाइकिल गायब थी। पुलिस ने अज्ञात पर बाइक चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

दो भाइयों के ट्यूबवेलों से सामान चोरी, केस दर्ज

कसोला। कसोला थाना क्षेत्र के गांव से चोर दो भाईयों के ट्यूबवेल से सामान चोरी कर ले गए। गांव लोधाना निवासी देवेन्द्र ने गढ़ी बोलनी चौकी पुलिस को बताया कि 24-25 अप्रैल की रात को उसके ट्यूबवेल की मोटर की पाईप व पुराने मकान के 7 लोहे के जंगले चोरी हो गए। चोर उसके भाई भीम सिंह के खेत में लगे सबमर्सिबल की मोटर के पाईप, 8 जंगल, 10 रोशन दान व बिजली का मीटर भी चुरा ले गए। पुलिस ने अज्ञात पर चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

खेत में बनी कोठड़ी से मोटर का सामान चोरी

डहीना। गांव डहीना स्थित खेत की कोठड़ी से चोर मोटर का हैड व केबल चोरी कर ले गए। किसान बिजेन्द्र सिंह डहीना पुलिस चौकी को दी शिकायत में बताया कि उसका कुआं गांव के बाबा जिंदा मंदिर के रास्ते पर है। 24 अप्रैल को वह ट्यूबवेल पर बनी कोठड़ी में पुराना मोटर का हैड व 50 मीटर केबल छोड़कर गया था। अगले दिन सुबह जब ट्यूबवेल पर आया तो सामान गायब मिला। पुलिस ने अज्ञात पर चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

कोसली क्षेत्र से दो बच्चों के साथ महिला लापता

कोसली। कोसली क्षेत्र के गांव से महिला लापता हो गई। महिला अपने साथ दो बच्चों को भी ले गई। महिला के पति ने नाहड़ पुलिस चौकी को दी शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी 6 अप्रैल से घर से लापता है और वह अपने साथ दोनों बच्चों को भी ले गई है। अपने स्तर पर रिश्तेदारियों व अन्य जगह तलाश करने पर भी उसका पता नहीं चला है। व्यक्ति की शिकायत पर पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज कर लिया है।

नई आबादी से घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

रेवाड़ी। मोहल्ला नई आबादी में चोर घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। मोहल्ला तेजपुरा निवासी राजेन्द्र कुमार ने गोकल गेट चौकी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 25 अप्रैल को रात करीब 10 बजे नई आबादी में अपनी बुआ के घर गया था तथा मोटरसाइकिल बाहर खड़ी करक अंदर चला गया। जब अगले दिन सुबह बाहर आया तो वहां से मोटरसाइकिल चोरी हो चुकी थी। पुलिस ने अज्ञात पर चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आज

रेवाड़ी। जिला प्रशासन की ओर से नागरिकों की शिकायतों के त्वरित समाधान के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार और वीरवार को नियमित रूप से समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। 28 अप्रैल को जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस रूम तथा उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर संबंधित उपमंडल बावल व कोसली में स्थित एसडीएम कार्यालय में आयोजित होंगे। डीसी ने कहा कि समाधान शिविर का उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है।

शहर के दोनों वाटर वर्क्स के स्टोरेज टैंक हुए खाली

जिले में आज 27वें दिन पहुंचेगा पानी
हर बार गड़बड़ा रहा पानी का शेड्यूल

रेवाड़ी। कालका वाटर वर्क्स के एक टैंक में खत्म हुआ पानी। *फोटो: हरिभूमि*

रेवाड़ी। बंद पड़ी हुई जेएलएन नहर,इसमें आज पहुंचेगा पानी। *फोटो: हरिभूमि*

जेएलएन नहर में दो अप्रैल को पानी आना बंद होने के बाद से राशनिंग करके दिया जा रहा पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

खूबड़ू हेड से छोड़ा गया पानी

खूबड़ू हेड से जेएलएन नहर में पानी छोड़ा जा चुका है। सोमवार सुबह शहर में पानी पहुंचने पर वाटर टैंकों को भरने का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। दो दिन में शहरवासियों को नियमित पानी की आपूर्ति की जाएगी। शहरवासी गर्मी के मौसम में जरूरत के अनुसार ही पानी इस्तेमाल करें। पानी की बर्बादी रोकने में विभाग का सहयोग करें।
-सुनील रंगा, एक्सईएन, जनस्वास्थ्य विभाग।

रविवार को खूबड़ हेड से पानी छोड़ दिया गया है। सोमवार को सुबह जिले में 27वें दिन जेएलएन नहर के पहुंचने पर शहरवासियों को गर्मी में पानी की किल्लत से राहत मिलने वाली है। नहर में पानी पहुंचने पर जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से वाटर टैंकों में पानी स्टोरेज का कार्य शुरू किया जाएगा। इसके बाद दो दिन में शहर में पानी की सप्लाई सुचारू हो जाएगी। भीषण गर्मी के मौसम में जेएलएएन नहर में पानी आने का शेड्यूल गड़बड़ाने से पानी की किल्लत होने पर लोगों के लिए परेशानी खड़ी हो जाती है। आबादी बढ़ने पर पिछले एक दशक से शहरवासियों के लिए पीने के पानी का संकट बना हुआ है। यह समस्या पूरे वर्ष बनी रहती है, लेकिन गर्मी के मौसम में समस्या ज्यादा विकराल हो जाती है। शहर के कालाका व लिसाना वाटर वर्क्स के टैंकों में पानी का स्तर गिरने के साथ ही जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से शहरवासियों का रोजाना पानी नहीं मिल पाता है।

विभाग की ओर से एक दिन फिर उसके बाद दो दिन छोड़कर पानी की सप्लाई की जाती है। कई बार तो विभाग को ट्यूबवेलों का भी सहारा लेना पड़ता है। शहर में 2 अप्रैल को जेएलएन नहर में पानी आना बंद होने के बाद विभाग की ओर से 4 अप्रैल से ही पानी की राशनिंग करके सप्लाई शुरू कर दी गई थी। वर्तमान में लोगों को पानी की पूर्ति करने के लिए पानी के टैंकर व कैंपर खरीदने पड़ रहे है। जनस्वास्थ्य विभाग को नए वाटर वर्क्स के लिए लंबे समय से जमीन तलाशने में लगा हुआ है, लेकिन अभी तक विभाग को सफलता नहीं मिल पाई है।

सर्दी हो या गर्मी शहर में पानी की किल्लत बनी रहती है। जेएलएन नहर में पानी बंद आना बंद होने के दो दिन बाद से ही विभाग की ओर से शहर में पानी सप्लाई में कटौती शुरू कर दी जाती है। गत माह 18 मार्च को नहर आने के बाद 2 अप्रैल को जेएलएन नहर में पानी आना बंद हो गया था। इसके बाद जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से 4 अप्रैल से शहरवासियों को राशनिंग करके पानी दिया जा है। नहर के नहीं आने से वाटर टैंकों में पानी लगभग खत्म हो चुका है। जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन सुनील रंगा ने बताया कि रविवार सुबह खूबड़ू हेड से पानी छोड़ दिया गया है। सोमवार को सुबह जिले में नहर में पानी पहुंच जाएगा। शहर के लोगों को पानी की किल्लत से बचाने के लिए पूरे प्रयास किए जा रहे हैं।

नए वाटर वर्क्स के लिए नहीं मिल रही जमीन

जनस्वास्थ्य विभाग के पानी स्टोर करने के लिए टैंकों की भारी कमी है। कालाका वाटर वर्क्स में पांच और लिसाना में तीन वाटर टैंक हैं। दोनों वाटर वर्क्स प्लांटों की क्षमता को देखते हुए शहर में पानी की डिमांड पूरी करना आसान नहीं है। इसके लिए कम से कम चार वाटर टैंकों के साथ नए वाटर वर्क्स की आवश्यकता है। वाटर वर्क्स का निर्माण करने के लिए विभाग को कम से कम पांच एकड़ जमीन की जरूरत है। कालाका वाटा वर्क्स के पांच टैंकों की क्षमता 950 गैलन पानी स्टोरज की है, जबकि लिसाना के दो वाटा टैंकों की क्षकता 340 गैलन व एक नए वाटर टैंक की पानी स्टोरेज क्षमता 32 करोड़ 640 लाख लीटर है। नहरी पानी का शेड्यूल पहले 16-16 दिन का था। यानी 16 दिन नहर में पानी आता था और 16 दिन नहर बंद रहती थी। अब 3 साल से शेड्यूल 16-24 का हो गया है। अब 16 दिन नहर में पानी आता है और 24 दिन बंद रहता है।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते आयोजक।

आतंकी हमले में मृतक नागरिकों को श्रद्धांजलि

- आतंकवाद की लड़ाई लड़ने के लिए देश में इजरायल की कार्य पद्धति की जरूरत: यादव
- अतिथियों को देशभक्तों व व शिव परिवार के चित्र भेंट किए गए

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में पहलगाम के आतंकी हमले में मृतक नागरिकों की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बाबा फरीद सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष दिनेश राजपाल, भारत विकास परिषद के संरक्षक रमेश सचदेवा, शिक्षाविद राजेंद्र सिंह यादव व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने पहलगाम में आतंकवाद की घटना की निंदा करते हुए कहा कि भारत को आतंकवाद की लड़ाई को मजबूती से लड़ने के लिए इजरायल की कार्य पद्धति को अपने देश में लाने की आवश्यकता है। इजरायल में प्रत्येक बच्चे की शिक्षा का दायित्व सरकार के जिम्मे है।

वहां पांच वर्ष से बच्चों को एक नियमित पाठ्यक्रम, जिसमें उसकी शारीरिक क्षमता को आगे लाना ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाता है। 12 वर्ष की आयु में बच्चे को कठोर शारीरिक अभ्यास की आदत डाली जाती है। 18 वर्ष की आयु में बच्चों को पिस्टल-रायफल व अन्य तरह के अस्त्र-शस्त्र चलाने में निपुण बनाते हैं, जिससे देश पर अचानक कोई आपत्ति आने पर सभी उसका मुंहतोड़ जवाब देते है।

आज उसी सैनिक शिक्षा की भारत को जरूरत है। पतंजलि के जिला प्रभारी दयाराम आर्य, शिक्षाविद डा. बलबीर अग्रवाल, समाजसेवी प्रोफेसर सी एल सोनी व समाजसेवी आदर्श राजपाल ने कहा कि शिक्षा के प्रारंभिक काल से पड़े हुए देशभक्ति के संस्कार जीवन भर बने रहते हैं।

महिला प्रधान निशा सीकरी, पूर्व नगर प्रधान सरोज भारद्वाज व समाजसेवी सुनीता आर्य ने कहा कि देशभक्ति के संस्कार देने में घर पर माता-पिता महत्वपूर्ण कार्य कर सकते हैं। बच्चों को देशभक्ति के चरित्र सुनाने से उनके कोमल मन पर तुरंत इसका प्रभाव पड़ता है।

योगासन प्राणायाम का अभ्यास करवाया

योग साधक दयाराम आर्य ने सभी को योगासन प्राणायाम का अभ्यास कराया। उल्लेखनीय सेवाओं के लिए अमित पोपली, समाजसेवी लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, हेल्थ एंड हैप्पीनेस के प्रदीप शर्मा, पर्यावरणविद् बॉबी चांदना व समाजसेवी राजेंद्र गेरा को सम्मानित किया गया। संस्था की ओर से अतिथियों को भारत माता, शहीद-ए-आजम भगत सिंह, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, राम दरबार व शिव परिवार के चित्र भेंट किए गए।

शूटिंग में चहक ने जीता सिल्वर मेडल

- 600 में से 581 का स्कोर लेकर क्वालीफाई करते हुए फाइनल में जगह बनाई

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

रेवाड़ी। चहक व अन्य खिलाड़ी कोच रमन राव के साथ। *फोटो: हरिभूमि*

जिले की शूटर चहक यादव ने 16 साल की उम्र में भोपाल में चल रही 23वीं कुमार सुरेंद्र शूटिंग चैंपियनशिप में एयर पिस्टल यूथ वर्ग में हरियाणा की ओर से खेलते हुए 600 में से 581 का स्कोर मारकर क्वालीफाई करते हुए फाइनल में जगह बनाई।

चहक ने फाइनल मैच खेलते हुए रजत पदक पर कब्जा किया है। यह अंतरराष्ट्रीय टीम सिलेक्शन के लिए ट्रायल मैच भी था तथा इस मैच से आगामी इंटरनेशनल चैंपियनशिप व कॉमनवेल्थ गेम्स के सिलेक्शन का रास्ता खुलता है। सेक्टर-4 स्थित राव शूटिंग अकादमी के प्रशिक्षक रमन राव ने कहा कि शूटिंग में रजत जीतने पर चहक का आत्मविश्वास बढ़ा है। कोच ने बताया कि शूटिंग अकादमी से पिछले कुछ सालों में 10 खिलाड़ी नेशनल मेडलिस्ट, दो खिलाड़ी एशिया मेडलिस्ट व एक खिलाड़ी वर्ल्ड कप मेडलिस्ट बना है। पदक प्राप्त करने के बाद हरियाणा सरकार की खेल नीति के अनुसार खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियां भी मिली है।

रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा, संदिग्धों की हुई जांच

- पहलगाम आंतकी हमले के बाद अलर्ट मोड पर जिला प्रशासन
- यात्रियों की सुरक्षा के लिए कड़े प्रबंध किए गए

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

रेलवे सुरक्षा बल जयपुर महानिरीक्षक ज्योति कुमार सतीजा एवं पुलिस अधीक्षक रेलवेज हरियाणा नीतिका गहलोत के मार्गदर्शन में जीआरपी व आरपीएफ ने स्टेशन परिसर में पहलगाम में हुए आतंकी हमले को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की सुरक्षा के लिए कड़े प्रबंध किए है।

जीआरपी एसएचओ श्याम सिंह व आरपीएफ इंस्पेक्टर विनोद कुमार जांगड़े ने एसआई सत्यपाल सिंह,एएसआई अजयव्रत व महिला एएसआई उर्मिला देवी सहित स्टाफ के साथ स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए जांच अभियान चलाया तथा यात्रियों को जागरूक भी किया। उन्होंने कहा कि अगर किसी संदिग्ध वस्तु व संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधि नजर आए तो तुरंत स्टेशन परिसर में ड्यूटी पर तैनात पुलिस को सूचना दे। इस दौरान जीआरवी व आरपीएफ की टी ने डॉग स्क्वॉयड के साथ स्टेशन पर आने वाले ट्रेनों व प्लेटफार्म सहित पार्किंग की गहनता से जांच की।

रेवाड़ी। रेलवे स्टेशन पर जांच करते हुए आरपीएफ व जीआरपी टीम।

ज्वेलरी शॉप से लाखों का सोना चुरा ले गया व्यक्ति

- आभूषण देखने के बहाने दिया वारदात को अंजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

शहर के बल्लूवाड़ा स्थित ज्वेलर्स की दुकान से व्यक्ति आभूषण देखने के बहाने लाखों रुपये का सोना लेकर फरार हो गया। मोहल्ला स्वामीवाडा निवासी कुलदीप वर्मा ने गोकल गेट चौकी पुलिस को बताया कि उनकी मैसर्स बीकानेरी ज्वेलर्स के नाम से हरीश तेल मिल के पास मोहल्ला बल्लूवाड़ा मु दुकान है।

25 अप्रैल की शाम वह बाजार गया था। दुकान पर उसके पिता विद्यासागर थे। इस दौरान एक व्यक्ति दुकान पर आया और उसने चांदी का सूरज व लॉकेट दिखाने के लिए कहा। लॉकेट खरीद कर उसने 100 रुपये दे दिए। इसके बाद उसने सोने के चांद व सूरज दिखाने को कहा। उसके पिता ने सोने के सामान का डिब्बा खोल दिया। इसी दौरान व्यक्ति ने दुकान पर रिपेयरिंग के लिए आए आभूषण में से करीब 60 ग्राम वजन के सोने के मंगलसूत्र के टिकड़े व लोटस चैन, बच्चों की बाली, लोंग, चांद-सूरज व औम चुराकर चला गया। कुलदीप ने दुकान पर आकर आभूषण चैक किए तो उसे चोरी का पता चला। उसने दुकान में सीसीटीवी कैमरे को चैक किया तो चोर नजर आया।

एनसीबी जिला यूनिट ने आमजन को किया जागरूक

बनीपुर चौक पर चलाया नशे के खिलाफ अभियान

- युवा पीढ़ी नशे के प्रति समाज की सबसे संवेदनशील कड़ी : सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

हरियाणा राज्य नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की ओर से नशा तस्करों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही के साथ-साथ समाज को नशे के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

रविवार को जिला एनसीबी यूनिट की ओर से बनीपुर चौक बावल के लेबर चौक पर मजदूरों व अन्य लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक कियाए गया। यूनिट के इंचार्ज उप निरीक्षक बलवंत सिंह ने कहा कि युवा पीढ़ी नशे के प्रति समाज की सबसे संवेदनशील कड़ी है। उन्होंने मजदूरों व अन्य व्यक्तियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया तथा एनसीबी की अनूठी पहल नशा मुक्त जीवन नायाब जीवन, बेकैट चलेंज के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिस तरह हम अपने घर से गंदा पानी बाहर फेंकते है, उसी तरह नशे को अपने समाज से बाहर फेंकना है।

रेवाड़ी। मजदूरों को नशे के खिलाफ जागरूक करते हुए टीम। *फोटो: हरिभूमि*

लोगों से की अपील

उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि अगर कहीं पर भी नशा बिकता हुआ दिखाई दें तो भारत सरकार के टोल फ्री नंबर 1933, ऑनलाइन शिकायत पोर्टल एनसीबीमानस. जीओवी.इन और हरियाणा एनसीबी के टॉल फ्री नंबर 90508-91508 पर सूचना दें, ताकि नशा तस्करों को सलाखों के पीछे भेजा जा सके। सूचना पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में एनसीबी टीम से एएसआई सुरेश कुमार व एएसआई अनिल कुमार भी मौजूद थे।

जो प्रेम असहिष्णु हो, जो दूसरों के मनोभावों का तनिक भी विचार न करे, जो मिथ्या कलंक आरोपण करने में संकोच न करे, वह उन्माद है, प्रेम नहीं।

- मुंशी प्रेमचंद

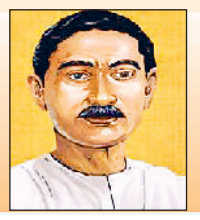

कभी-कभार वह देर रात तक घर लौटती थी। हमें उसके आने का बेसब्री से इंतजार रहता और सड़क की उतराई पर टकटकी लगाए घंटों देखते रहते, परन्तु बुआ नहीं आती। कभी छींका खाली मिला तो भूखे ही बैठे रहते, मौसी से रोटी माँगने की हिम्मत नहीं होती थी। कहते भी तो मौसी झिड़क देती थी-''खाने का ही काम है। यहाँ कोई भंडारा खुला है- जब बने खा लेना।''

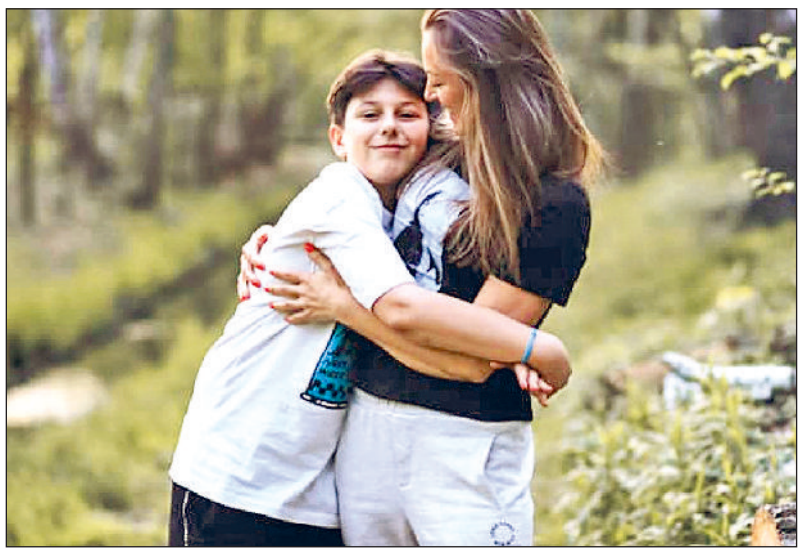

कहानी

डा. सुरेश वशिष्ठ

बुआ

मां की याद उभरती-ख्वाबों की तरह। मैंने उसे कभी देखा नहीं, फिर भी उसकी याद को दिल में सँजोए रहा हूँ। बुआ के पास उसकी एक तस्वीर देखी है, जिसे देखने पर दिल में ख्वाब जाग उठते थे और मैं दुलार की कामना में खोने लगता था। मौसी जब बखेड़ा कर बैठती तब लगता कि माँ होती तो यह होता ही क्यों, मौसी घर में आती ही क्यों? बापू दूसरी शादी करते ही क्यों। होनी को कौन टाल सकता है। माँ मरी तो मौसी आ गई। अपना भाग्य, दोष किसे दूँ? मुझे तो अपना जीवन जीना ही था। माँ के अभाव को बुआ ने महसूस नहीं होने दिया। फिर भी यह लगता ही था कि कहीं कुछ अधूरा है, वीरान है। कोई तड़प जगती और हम बुआ की गोद में मुँह घुसेड़कर रो दिया करते।

मेरी माँ बुआ को बहुत चाहती थी। उसकी मौत के समय मेरी उम्र एक माह की थी। भाभी के बच्चों को पालना ही बुआ ने अपना फर्ज समझा और ससुराल से अपना नाता सदा-सदा के लिए तोड़ लिया। बड़ी दो बहनों की शादी माँ के सामने हो गई थी। कौशल्या बची थी और एक मैं, जिसका बोझ बुआ के बेसहारा कंधों पर था। मौसी जब हमें लेकर कुहराम छेड़ती, तब बुआ अपनी गोद में हमें दुबका लेती और मौसी को भला-बुरा कहती, परन्तु वह थी कि समझती ही नहीं थी। बापू भी मौसी की ही तरफदारी करते थे। बुआ हमारे लिए उनसे कुछ लाने को कह देती तब मौसी बिफर उठती और हमें सौत का गोबर कहकर कोसा जाता था। बापू चुपचाप सब सुनते थे, लेकिन कहने को उनके पास कुछ नहीं होता था, और ना ही मौसी को उन्होंने कभी कुछ कहा।

मौसी के दोनों बच्चे खूब उत्पात मचाते और खुलकर हँसते-खेलते लेकिन हमारे कूदने और हँसने पर पाबन्दी थी। पड़ोस के मनहर काका के घर हमें खुलकर हँसने और खेलने की आजादी थी। वह काकी भी हमें बहुत चाहती थी। यह काकी मेरी माँ की सखी थी। बापू पहले ऐसे नहीं थे। माँ को बहुत चाहते थे और हमें भी बेहद प्यार करते थे, लेकिन यह सब माँ के सामने ही था।...अब जाने क्यों वे हम सभी से दूर रहने लगे थे। बुआ शादी के बीस वर्ष बाद भी माँ नहीं बन पाई थी। शायद कुदरत को यही मंजूर था। यह भी उन्होंने सोच लिया था कि बीस वर्षों में जब औलाद पैदा नहीं हुई तो अब कहाँ से होगी। फूफा दूसरी ब्याहता ले आये थे और उससे उन्हें चार बच्चे प्राप्त हुये। उनका घर-संसार बस गया। बुआ को यही बड़ी खुशी थी। अब शायद हमें ही पाल-पोसकर वह माँ की जगह बैठना मुनासिब समझने लगी थी। हमें रुआँसी आती तो वह छाती में हमें दुबका लेती और कहती--''मैं माँ ही तो हूँ ! पगला-- बौरा गया क्या?''

बुआ और हम सौतेली माँ के मोहताज थे। हालांकि बुआ स्वयं भी कमाती थी, और जुगाड़ नहीं हुआ तो बड़ी बहनों की ससुराल खबर कर देती, परन्तु हमें किसी चीज से निसारा नहीं रखती थी। लाली हमें लुभा-लुभा कर बाजार जाती थी। मौसी की इस लड़की को ना जाने क्यों- हमें लुभाने में बड़ा मजा आता था। मौसी उसे प्यार करती, दुलारती और हमें सुनाती हुई पैसे देकर बाजार भेजती। कहती--'कुछ लेकर खा लेना।' उस समय बुआ का मन गमगीन होने लगता था। कुछ-कुछ बुनता-सा और सूरत रोनी-सी, कभी हमें लगता भी था कि वह रो रही है। कभी वह मौसी को समझाती-''परसी की बहू, बच्चों से यह भेद अच्छा नहीं।...इन्हें भी कुछ ला दिया कर, खिला-पिला दिया कर ! परसी का ही खून है, ऐसा दुराव ठीक नहीं।'' तब मौसी होंठ बिचकाती और 'ऊहूँ' कह कुढ़ पड़ती थी।

हमें स्कूल पहुँचाकर बुआ निकट के ही गाँव में, काम पर चली जाती थी। हमें कह कर जाती-'तुम्हारे लौटने तक आ जाऊँगी। स्कूल से सीधे घर आना, मौसी कुछ कहे तो जवाब नहीं देना। छींके पर रोटी रखी हैं--पूछकर खा लेना।'

कभी-कभार वह देर रात गए तक घर लौटती थी। हमें उसके आने का बेसब्री से इंतजार रहता और हम सड़क की उतराई पर टकटकी लगाए घंटों देखते रहते, परन्तु बुआ नहीं आती। कभी छींका खाली मिला तो भूखे ही बैठे रहते, मौसी से रोटी माँगने की हिम्मत नहीं होती थी। कहते भी तो मौसी झिड़क देती थी। गुस्से से वह कहती-''खाने का ही काम है। हर समय खाना-खाना, यहाँ कोई भंडारा खुला है- जब बने खा लेना।'' उसका 'ऊहूँ' कहकर कुढ़ना अब तक हमें याद है। दोनों भाई-बहन चुप-चुप खरगोश से तांकते और कुछ बोलते नहीं थे। बुआ काम से लौटकर पूछती-- 'खाना खाया?' तो हम झूठे ही हामी भर देते। कौशल्या कहने लगती- 'देर से क्यूँ आती हो बुआ?' तब वह कहती-'किसी दिन काम देर तक होता है तो देर हो ही जाती है।' मौसी हँस पड़ती और आँखें नचाकर चिढ़ाती--'जनना तो रहा नहीं, पोसने चली है।...मालूम नहीं कहाँ-कहाँ मरती फिरती है।' बुआ केवल घूरती-कुछ कहती नहीं। माँ के मरने से ही बुआ को यह सब सुनना पड़ रहा था। काकी बताती है- 'कभी तेरी माँ ने बुआ को इतना नहीं कहा। इज्जत भी दी और सब्र भी।'और मेरी मौसी, उसे तो बुआ फूटी आँख भी नहीं सुहाती। एक रोज बुआ बहुत उदास दिखाई दी। शायद जी-भर वह रोई भी थी। उस दिन वह खेत में हमें अपने साथ ले गई। जीजी ने पूछा-''बुआ, तुम्हें मौसी क्यों जली-कटी सुनाती है, वह घर क्या तुम्हारा नहीं?'' तिस पर वह बोली--'तू कुछ नहीं सोच...फिर मुझे ही तो कोसती है।' और इतना कहकर, हमें अंक में भर वह दहला देने वाली हूक के साथ रो पड़ी थी। उसे यूँ रोता देख हम भी रोने लगे थे। रोते-रोते जब थक गये, तो बुआ ने साग तोड़ा और पास बैठाकर हमें दिलासा देने लगी-''तुम कुछ ना सोचा करो। सोचने को मैं जो हूँ।...मुन्नू बड़ा होगा तब हमारा अपना घर बनेगा। वहाँ कोई कुछ कहने वाला नहीं होगा।''

मुझे दुलार कर कहने लगी-''तू जल्दी बड़ा हो जा मुन्नू...तुझे नौकरी लगवाऊँगी और ठाठ से तेरा ब्याह करूँगी...तब होगा अपना घर।'' वह सब सहना हमारी नियति थी। हमें अच्छे-बुरे का ख्याल होने लगा था और हम अनचाहे समय को पीछे धकेलने लगे थे। समय को पंख लगाकर उड़ा देने की लालसा थी हमारी।

मैं सोचने लगता था-''नौकरी पर खड़ा हो जाऊँगा तो बुआ को आराम दूँगा। बहुत पीड़ा सही है बुआ ने, बापू तो हमारी खैर-खबर कभी लेते ही नहीं । बुआ ना होती तो क्या होता-सोचकर भी डर लगने लगता है।'' समय बीतता रहा और हम बड़े होते रहे।

कौशल्या का चौहदवाँ साल बीत रहा था। एक रोज उसने कहा--''स्कूल नहीं जाऊँगी। तुम मजदूरी करती हो ना, मैं भी करूँगी।'' तब बुआ बिफरी--''चुपकर ! सीधे स्कूल चली जा, दो किलास पास कर लेव तो तेरा ब्याह रचा दूँ।'' कौशल्या जिद करने लगी। बुआ को गुस्सा आ गया और उसने एक जोरदार थप्पड़ कौशल्या के मुँह पर जड़ दिया। गाल सुर्ख हो गया। उसकी थकी-सी आँखों से चुप-चुप आँसू चूने लगे। बुआ भी सुबक पड़ी। सहमी-सहमी नजरों से कौशल्या उसके रोने को देखती रही और फिर उसके घुटनों में दुबककर सिसकने लगी। जीजी ने फिर मजदूरी पर जाने को कभी नहीं कहा। एक रोज मौसी और बुआ में जोरदार झगड़ा हुआ। मौसी ने हमारे गूदड़ फेंक दिये और बुआ को घर की कच्ची कोठरी में रहने को ढकेल दिया। बापू ने सब देखा पर अनजान बने रहे।

उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई-''क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यूँ नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?'' मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुँचा। बुआ को आवाज दी।

तब के बाद हम वहीं रहने लगे। बुआ सुबह काम पर जाती और देर संध्या तक घर लौटती। जीजी घर का काम सँभालती। स्कूल जाने तक और स्कूल से लौटने तक सब काम निपटा लेती। कच्ची कोठरी में हम पहले से सुखी थे। वहाँ आनन्द ही आनन्द था। अपना मन और अपनी खुशी थी। गरीब हुये तो क्या हुआ-खुलकर हँस तो सकते थे। रोने पर भी कोई पाबन्दी नहीं थी। अब बुआ को भी हम पहले सी चुप-चुप और गमगीन नहीं देखते थे। लेकिन बुआ काम से थकी-थकी घर लौटती और नींद में कुहुलती थी। समय बीतता गया और जीजी ने दसवीं पास कर ली। तब, एक रोज--बड़ी जीजी व जीजाजी घर आए। उनके साथ दो औरतें भी थीं और एक पगड़ बाँध बुड्ढा भी। वह कौशल्या को देखने आये थे। बड़े जीजा के रिश्तेदार थे और उन्हीं के कहने से बुआ ने यह रिश्ता पक्का किया था। रिश्ता तय हुआ तो बुआ ने राहत की साँस ली। शादी की तारीख पक्की नहीं हुई थी लेकिन बुआ बहुत प्रसन्न थी।

मैं उस वक्त आठवीं में पढ़ रहा था। बुआ का स्वप्न जाग उठने को आतुर था। उसे राहत मिल रही थी कि अगले दो वर्ष में मुन्नू दसवीं पास कर लेगा। कहीं नौकर होगा तो राहत की साँस लूँगी। वह अब खामोश नहीं रहती थी, खूब चिहुँकती थी और खुश रहती थी। कहती थी--''साल-दो साल की मेहनत है, मुन्नू सब सँभाल लेगा। सुख की नींद सोऊँगी और बहू से डटकर सेवा कराऊँगी। मेरा बेटा नौकर होगा तो घर भर को आराम देगा। बुढ़ापा आ गया है, अब आराम की साँस लूँगी। भाभी का कहा पूरा हुआ। मुझे सुख मिलेगा और उसकी आत्मा को शान्ति। परसी ने जो किया-वह भोगे। खैर ! अब दिन ही कितने हैं?''जीजी आज दुल्हन बनी है। आँगन में मंगल-गीत गाये जा रहे हैं। ढोलक, थापी और नाच-आनन्द! रस्म हुई और कौशल्या को डोली-सी सजी कार में लिए उसका दूल्हा अपने गाँव ले गया। गाँव भर ने जीजी को खूब कन्यादान दिया था। मौसी ब्याह में शामिल नहीं हुई और ना ही उसने बापू को हम तक आने दिया। बापू की जगह मनहर काका ने पूरी की। विदाई के समय जीजी काका के गले लगकर जी-भर रोई थी। काका ने कहा था-''रो नहीं बेटी, जिनके पिता नहीं--वे अनब्याही नहीं रहतीं और तेरे पास तो काका है, बुआ है, बड़ी बहनें और भाई है।...तू काहे रोती है।'' पराया धन पराया हो गया। बुआ को जब कभी उसकी याद आती तो वह मुझे गोदी में दुबका लेती और बिस्तर में पड़ रहती।

समय के साथ-साथ बुआ अब बुढ़ा गई थी। उसे चिन्ता थी-''जाने मेरे बाद मुन्नू का क्या होगा, कौन सम्भालेगा इसे? बुढ़ापा आ धमका, अब क्या भरोसा।''मैंने इसी साल मैट्रिक पास किया था। बड़े जीजाजी ने नगर पालिका में जुगाड़ देखा और मुझे नौकरी पर खड़ा कर दिया। बुआ को मानो कारू का खजाना मिल गया था। वह बड़े जीजाजी की तारीफ करती नहीं अघाती थी। वर्षों से जो स्वप्न देख रही थी, वह पूरा होने को था। अब यही तमन्ना बाकी थी कि 'मुन्नू का ब्याह रचा दूँ और सुन्दर-सी बहू मेरे आँगन में दिखाई दे।' बापू के प्रति कभी-कभार उसका विक्षोभ फूट पड़ता था और वह ना जाने उन्हें कितना कुछ कह जाती थी। मेरी माँ को वह अब तक भुला नहीं पाई थी।

मेरा वह इतना ख्याल रखती थी कि जरा-सा मुझे कुछ हुआ नहीं कि हिरनी-सी सहम जाती और अपने ही घर में बीमार-सी लगने लगती। मानो कोई खुशी उसके हाथों से निकली जा रही हो ! मेरे बाहर जाने पर चिन्तित हो उठती थी और मेरे लौटने तक फिक्र में ही कुढ़ती रहती। उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई--''क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यूँ नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?'' मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुँचा। बुआ को आवाज दी। सन्नाटा और गहरा महसूस हुआ। दीया जलाया तो देखा-लकड़ी के खम्ब से पीठ टिकाए बुआ मौन बैठी है। मन थर-थर काँपने लगा...कुछ शंका भी हुई। छूकर देखा- बुआ नहीं थी। बची थी सिर्फ माटी। सूखा तन-निढ़ाल। आँखें दरवाजे पर लगी थी, पूरी खुली हुई आँखें... मेरी ही बाट जोहती। हथेली से पलकों को मूँदा और बुआ की गोद में सिर रख फूट पड़ा। चीखने लगा मन। बुआ-बुआ पुकारता मैं तड़फने लगा था...लेकिन मेरी बुआ ने आँखें खोलकर एक बार भी मुझे नहीं देखा। बुआ कहूँ या माँ, जिसकी अर्थी को कन्धों पर उठाए चल रहा हूँ। पीछे रह गया बहनों का आंतर्नाद...मन के गह्नर में बुआ की जिन्दा छवि उभर आई जिसमें उसे कहते सुना-''मुन्नू सब सँभाल लेगा...सुख की नींद सोऊँगी मैं...बहू से डटकर सेवा कराऊँगी।'' मन चीख पड़ा-''बुआ..!'' लेकिन बुआ तो नहीं बोली..।

कविता | कृष्ण लाल' गिरधर '

वक्त को वक्त नहीं लगता

वक्त चलता है अपनी चाल से उसे वक्त नहीं है।
मानव चलता है अपनी चाल से वह कमबख्त नहीं है।
वक्त ना देखे ऊंचा नीचा क्या वह सख्त नहीं है?
मानव भरा ऊंच-नीच से क्या वह कमबख्त नहीं है?

वक्त को वक्त नहीं है पर रहता है सावधान।
मानव वक्त के आगे झुकता खो देता है पहचान।
वक्त वक्त में वक्त बदलता, ना छोड़ेगा अपनी चाल।
मानव से गिरगिट शर्माए बदल बदल कर है बदहाल।

वक्त सभी को वक्त है देता, पहचान कराता वक्त पर।
उस मानव को सबक सिखाएं जो जीता दूजे के हक पर।
वक्त को वक्त नहीं लगता, वो वक्त पर बतलाता है।
जो मानव वक्त चूक गए , वक्त लौट ना आता है।

वक्त नहीं गुलाम किसी का अपनी इसकी है रफ्तार ।
वक्त के आगे सभी नतमस्तक, करता सभी से सम व्यवहार।
वक्त को वक्त नहीं लगता, छुड़वा देता है घर बाहर।
वक्त को वक्त नहीं लगता, पहना देवे खुशियों के हार।

मंथन | पं . कमलकांत भारद्वाज

धैर्यविहीन युवा

बुजुर्ग समाज का आईना होते हैं । मैंने उनसे काफ़ी अनुभव और शिक्षाप्रद बातें सुनी। शेर ही जंगल का राजा क्यों हैं जबकि हाथी उससे कई गुना ताक़तवर और शक्तिशाली है। लेकिन शेर धैर्यवान है। एक रोज मैं अपने कुछ दोस्तों के साथ चर्चा कर रहा था कि आज की युवा पीढ़ी यानी 21वीं सदी के बच्चों के पास सभी सुख-सुविधाएं हैं जो कि आधुनिक युग के अनुसार परिपूर्ण है। लेकिन फिर भी आत्महत्या, रिश्तों में दरार और समस्याओं का तुरन्त समाधान चाहिए ऐसी स्थिति देखने को मिलती हैं। इन सभी का एक ही कारण है वो है धैर्यहीनता,सहनशीलता में कमी या सब्र न होना। अगर जीवन में कुछ करना है और निरन्तर पानी की तरह बहते रहना है तो युवा पीढ़ी को सहनशील या धैर्यवान बनना पड़ेगा। धैर्य आपकी क्षमता को प्रदर्शित करता हैं आप, धैर्यवान बनेंगे तो आप शक्तिशाली बनेंगे जंगल के राजा शेर की तरह जो भरपेट होने के बाद शिकार नहीं करता सब्र करता हैं।

कविता

प्रोफ़ेसर ज्योति राज

प्रभात

नयन का नयन से नमन हो रहा है
ज़मीं पर ऊषा आगमन हो रहा है

परत दर परत चाँदनी कट रही है
वो देखो निशा का गमन हो रहा है

बढ़ी जा रही हौले हौले अरुणिमा
नये दिन का कैसा सृजन हो रहा है

मधुर मुक्त आभा सुगंधित पवन है
लगता है कहीं पर हवन हो रहा है

समय ये सराबोर उल्लास से है
चहूं ओर उजला सदन हो रहा है

नया दिन हो जैसे नये गान जैसा
हृदय 'राज' कितना मगन हो रहा है

मुक्तक

वीरेंद्र मधुर

सीमाएं

आतंकी रूबरू रहा होगा,
जो मरा वो हिंदू रहा होगा।
मधुर जो पूछता कि धर्म क्या ,
वहीं खून का बिंदू रहा होगा।।

तनावों से भरी सीमाएं हैं ,
हलक में घुसी चिंताएं हैं।
आग के संवाद से मधुर,
आतंक की भागी हवाएं हैं।।

अब चलेंगी मिसाइल ऐसा धुआं होगा,
दुश्मन के पेट में अब लंबा सुआ होगा।
देश में आक्रोश मधुर मासूमों के बदले,
आतंकियों के वास्ते सूखा कुआं होगा।।

प्रसिद्ध साहित्यकार और कवि डॉ. शिवकांत शर्मा का आधुनिक युग में साहित्य के सामने आ रही चुनौतियों को लेकर कहना है कि हमारे साहित्य का बहुत ही गौरवशाली इतिहास रहा है, जो आज के दौर में अनेक कारणों से उपेक्षित है। इसका कारण सोशल मीडिया की विस्तारित लोकप्रियता, बढ़ते पाश्चात्य प्रभाव, मनोरंजन प्रधान मानसिकता आदि है, जिसकी वजह से समाज के बड़े हिस्से को स्तरीय व संस्कारित साहित्य से विमुख किया है।

साक्षात्कार | ओ.पी पाल

साहित्य के बिना समाज की कल्पना संभव नहीं : डॉ. शिवकांत शर्मा

भारतीय संस्कृति और सामाजिक परंपराओं को इस आधुनिक युग में जीवंत रखने की चुनौतियों से निपटने के लिए लेखक, कवि, गजलकार और साहित्यकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य संवर्धन करने में जुटे हैं। साहित्य से जुड़े विद्वानों में ऐसे ही साहित्यकारों में डा. शिवकांत शर्मा भी शुमार हैं, जो समाज को नई दिशा देने के मकसद से चिकित्सक होने के साथ साहित्यिक साधना करते आ रहे हैं। उन्होंने सामाजिक सरोकार, समसामयिक चिंतन, व्यवस्था से जूझते मानवीय संघर्ष व भारतीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन जैसे गंभीर मुद्दे अपने लेखन के मूल भाव में समाहित किये हैं। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में डा. शिवकांत शर्मा 'शिव' ने कुछ ऐसे अनछुए पहलुओं का जिक्र किया है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना करना बेमानी है।

हरियाणा के भिवानी में पेशे से चिकित्सक एवं साहित्यकार व कवि के रूप में लोकप्रिय डॉ. शिवकान्त शर्मा का जन्म हिसार जिले के गांव पेटवाड़ में मदनगोपाल शास्त्री और शशि देवी के घर में 23 जून 1958 को हुआ। उनके दादा पंडित रामप्रसाद उस समय के सुप्रसिद्ध लोककवि रहे हैं, जिन्होंने अनेक खंडकाव्य लिखे और वे सनातन के प्रबल प्रचारक व लोकप्रिय भजनोपदेशक भी थे। इनके पिता मदन गोपाल शास्त्री भी हरियाणवी संस्कृति के पुरोधा के रूप में हरियाणा के शीर्षस्थ साहित्यकारों में शुमार रहे हैं, जिनकी हिन्दी व हरियाणवी में 10 पुस्तकें सभी लेखन विधाओं में प्रकाशित हुई हैं। हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा उन्हें पंडित लखमीचंद सम्मान (2009) व महाकवि सूरदास सम्मान(2013) से विभूषित किया गया। परिवार से मिली साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ा रहे डा. शिवकांत शर्मा भी बचपन से ही इस क्षेत्र में अभिरुचि रखने लगे थे। हिंदी गीत, हरियाणवी गीत, कविता, दोहे और ग़ज़लों के साथ कहानी लेखन में भी गहन अभिरुचि रखने वाले डा. शिवकांत शर्मा ने अपनी पहली रचना एक कविता के रूप में महज 16 साल की आयु में लिख डाली थी। मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के बाद शुरू हुई उनकी साहित्यिक यात्रा अनवरत जारी है। उनकी सर्वप्रिय विधा गीत लेखन है। अपनी विलक्षण प्रतिभा के बल पर एमबीबीएस, एमडी की शैक्षणिक डिग्रियां हासिल करके भिवानी में एक अस्पताल का संचालन करके वरिष्ठ छाती रोग विशेषज्ञ के रूप में स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। बकौल डा. शिवकांत शर्मा, साहित्य जगत की शुरुआत में उन्होंने नीरज के गीतों से प्रेरित होकर अनेक गीत व कुछ कविताएं लिखीं, जिनका प्राणतत्व प्रेम भाव व प्रणय केंद्रित रहा है। उनकी रचनाए कॉलेज मैगजीन में भी छपती रही। वर्ष 1985 में उनकी नियुक्ति भिवानी के सरकारी अस्पताल में हुई, जिसके बाद उन्हें अनेक साहित्यिक अनुष्ठानों में भाग लेने का मौका मिलने लगा। यहां के शायरों के सम्पर्क व प्रभाव में आकर उनकी ग़ज़ल लेखन में रुचि और गहराती चली गई, हालांकि उनका गीत लेखन भी निरंतर चलता रहा। साहित्यिक मंच मिलने से अपनी रचनाएं सुनाने व और गुणी मित्रों की रचनाएं सुनने से लेखन में सुधार व निखार आया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक प्रेम भाव केंद्रित रचनाओं के बाद उनके लेखन के मूल भाव में मुख्यतयाः सामाजिक सरोकार, समसामयिक चिंतन, व्यवस्था से जूझते मानवीय संघर्ष व भारतीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन जैसे गंभीर विषय रहे हैं। वहीं पिछले कुछ समय से हरियाणवी ग़ज़ल में विशेष रुचि होने पर उन्होंने कुछ ग़ज़लें ठेठ हरियाणवी भाषा में भी लिखी और साहित्यिक मंचों से सुनाए जाने पर उन्हें लोकप्रियता मिली, जिन्हें सराहना भी मिली। डा. शिवकांत ने आकाशवाणी, हिसार दूरदर्शन, जनता टीवी आदि चैनलों पर आयोजित विभिन्न मुशायरों व कवि सम्मेलनों में सहभागिता की है और अखिल भारतीय 'ग़ज़ल कुम्भ' में कई बार ग़ज़ल पाठ किया। इनका कहना है कि जहां तक युवा पीढ़ी में साहित्य के प्रति अनुराग पैदा करने का सवाल है उसके लिए स्कूल स्तर पर उन्हें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक व साहित्यिक धरोहर से परिचित करवाना आवश्यक है। स्कूल व कॉलेज स्तर पर कविता लेखन प्रतियोगिताएं और कार्यशाला आयोजित कर युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करना होगा। वहीं आकाशवाणी व दूरदर्शन से युवा केंद्रित साहित्यिक गतिविधियां बढ़ाने की आवश्यकता है।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि डा. शिवकांत शर्मा की प्रकाशित पुस्तकों में हरियाणा साहित्य अकादमी के सौजन्य से एक ग़जल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' प्रमुख रूप से सुर्खियों में है, जिसमें 84 ग़जलें शामिल हैं। जबकि उनका एक ग़जल संग्रह व गीत संग्रह प्रकाशनाधीन हैं। ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' की भूमिका वरिष्ठ शायर जमीर दरवेश ने लिखी है। उनके लिखे गीत ग़ज़लें और अन्य रचनाएं राष्ट्रीय पत्र, पत्रिकाओं के अलावा काव्य संग्रहों में संकलित होकर प्रकाशित हुई हैं।

डॉ. शिवकांत शर्मा

पुरस्कार व सम्मान

साहित्य के क्षेत्र में श्रेष्ठ उपलब्धियों के लिए डॉ. शिवकान्त शर्मा को हरियाणा साहित्य अकादमी ने उनके ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' को सर्वश्रेष्ठ कृति सम्मान से नवाजा है। वहीं वे राज्यकवि उदयभानु 'हंस' कविता सम्मान से भी अलंकृत हो चुके हैं। उन्हें विशिष्ट साहित्यिक अलंकरण, भिवानी रत्न, ग़ज़ल-गौरव सम्मान, पं. देवराज संधीर स्मृति सम्मान, पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान जैसे अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. शिवकान्त शर्मा 'शिव'
जन्मतिथि : 23 जून 1958
जन्म स्थान : गांव पेटवाड़ (हिसार)
शिक्षा : एम.बी.,बी. एस, एम.डी.
संप्रति : चिकित्सक,साहित्यकार एवं कवि

अनछुए पहलुओं की दास्तां 'हाजरा का बुर्का ढीला है'

पुस्तक : हाजरा का बुर्का ढीला है
लेखिका : डॉ. तबस्सुम जहां
मूल्य : 17 5 रुपये
प्रकाशक : शिवना प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा | डॉ. अल्पना सुहासिनी

हाजरा का बुर्का ढीला है, डॉ. तबस्सुम जहां द्वारा लिखित एक रोचक एवं पठनीय कहानी संग्रह है। इस कहानी संग्रह में समाज के छुए-अनछुए पहलुओं पर बड़ी ही गहनता और मार्मिकता के साथ प्रकाश डाला गया है। संवाद शैली ऐसी है, कि कहानी को एक बार पढ़ना शुरू किया जाए, तो पूरी पढ़े बिना नहीं रहा जाता।

समाज के विभिन्न पहलुओं पर लिखी गई कहानियां दिल को छू जाती हैं और यह सोचने पर मजबूर कर देती हैं कि इतने समृद्ध कहे जाने वाले समाज में कुछ चीजें आज भी ज्यों की त्यों बनी हुई हैं। सभी कहानियां आरम्भ से लेकर अंत तक पाठक को बांधे रखती हैं। चूंकि कहानीकार स्वयं स्त्री हैं तो उनकी कहानियों में स्त्री पक्ष की दुविधाएं और विसंगतियां भी बखूबी उभरकर आई हैं। यह तबस्सुम जहां का पहला कहानी संग्रह है जिसमें 12 कहानियां हैं। शीर्षक कहानी, हाजरा का बुर्का ढीला है, पाठकों को सबसे ज़्यादा प्रभावित करती है। इस कहानी की विशेषता है संवादात्मक शैली। लेखिका ने अपनी कहानियों को बोझिलता से पूर्णतः बचाए रखा है और उनमें सरसता का पुट बनाए रखा है जिसके चलते कहानियाँ भीतर तक उतरती चली जाती हैं। इनकी कहानियों की जो दूसरी विशेषता हमारा ध्यान खींचती है वह है आंचलिकता का पुट। आधुनिक दौर में लेखन से आंचलिकता कहीं दूर जा रही हैं लेकिन ये कहानियाँ उस आंचलिकता को अपने में समेटे हैं जिस कारण उनकी सौंधी महक पाठकों को प्रफुल्लित, आनंदित करती है। मौत बेआवाज़ आती है, नामक कहानी में अपनी रोजी रोटी की जुगत में लगे मजदूरों की तकलीफ़, उनके दर्द, उनकी टीस की अभिव्यक्ति जिस देशज भाषा में हुई है उस प्रयोग ने कहानी को आमजन की कहानी बना दिया है। 'गुरु दक्षिणा' कहानी की अगर बात करें तो वह कहानी भी कहीं न कहीं शिक्षा जगत के अंधेरे पक्षों पर रोशनी डालती है। 'अपने अपने दायरे' कहानी में लेखिका ने मिसेज़ गिल की पूरी जिंदगी को 20 गोले के ज़रिए ऊकेर कर रख दिया है। उनकी, 'सच्चा भक्त' कहानी वर्तमान असहिष्णु दौर में शीतल बयार जैसी लगती है।

लेखिका को हिंदू मुस्लिम दोनों संस्कृतियों की नब्ज़ पता है, वे उनके भीतर तक पैठी हैं। इन संस्कृतियों में और इसी कारण उन्होंने जो भी लिखा वह अधिक विश्वनीय दस्तावेज है। संग्रह की अन्य कहानियां झूठा ईश्वर, प्रेम और समर्पण, कला और भीख, शहर वापसी भी अपने रोचक क्लेवर से पाठकों का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं।

खबर संक्षेप

गेहूं चोरी के बाद खेत का तूड़ा भी बेच दिया

रेवाड़ी। फिदेड़ी में एक खेत से गेहूं निकालने के बाद किसान का तूड़ा भी चोरी हो गया। पूछताछ के बाद तूड़ा बरामद हुआ, तो उसे बेचने के और खरीदने वाले का पता भी चल गया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। फिदेड़ी निवासी पंकज ने 9 कनाल जमीन में गेहूं की खेती की हुई थी। गत 15 अप्रैल को उसके खेत से कोई करीब 2 क्विंटल गेहूं निकाल ले गया था। उसकी शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया था। पंकज ने बताया कि गजेंद्र नाम के व्यक्ति ने उसके खेत में पड़ा गेहूं का तूड़ा जैनसभा निवासी उमेश को बेच दिया। गजेंद्र ने खुद को डोहकी गांव का रहने वाला बताया था। पता चला कि गजेंद्र बेरली कलां का रहने वाला है। पंकज ने उमेश को तूड़े के ट्रैक्टर सहित सदर पुलिस के हवाले कर दिया।

कार की टक्कर से रेहड़ी लगाने वाले की मौत

धारूहेड़ा। भिवाड़ी मोड़ के पास चूड़ी की रेहड़ी लगाने वाले एक व्यक्ति की कार की टक्कर लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

यूपी के फिरोजाबाद निवासी अख्तर अली भिवाड़ी मोड़ के पास चूड़ी बेचने की रेहड़ी लगाता था। वह शनिवार की सायं अपनी रहेड़ी लेकर महेश्वरी की ओर जा रहा था। वह महेश्वरी में किराए के मकान में रह रहा था। मोड़ से कुछ दूर चलने पर कार ने रेहड़ी व अख्तर को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी रेहड़ी भी कार की टक्कर से टूट गई। पीछे चल रहे अख्तर के बेटे ने उसे एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

30 को मनाई जाएगी भगवान परशुराम जयंती

रेवाड़ी। ब्राह्मण सभा की ओर से 29 अप्रैल को ब्रह्मगढ़ परिसर से प्रधान चंद्रशेखर गौतम की अध्यक्षता में प्रभात फेरी निकाली जाएगी। प्रेस सचिव रमेश वशिष्ठ ने बताया कि अक्षय तृतीया पर 30 अप्रैल को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ भगवान श्रीपरशुराम जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। जाएगा। मंगलवार को प्रातः 6 बजे शहर में प्रभात फेरी निकाली जाएगी। 4 मई को ब्राह्मण समाज के कार्यक्रमों में युवाओं को आगे लाने के लिए कार्यकर्ता सम्मलेन का आयोजन किया जाएगा।

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने आयोजित किया जिला स्तरीय सम्मान समारोह

सेवा के नए आयाम गढ़ने का अवसर है महासचिव का दायित्व : जोशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

रेडक्रॉस हरियाणा के महासचिव के रूप में नियुक्त होने पर महेश जोशी के अभिनन्दन समारोह का आयोजन प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से रविवार को मोती नगर में किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष डा. संजय शर्मा ने बताया कि महेश जोशी को नवनियुक्त महासचिव के रूप में पदभार संभालने पर सर्वसमाज, नगर व जिले की अनेक सामाजिक संस्थाओं ने पगड़ी पहनाकर व माला पहनाकर सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता भाजपा के जिला अध्यक्ष यतेन्द्र यादव ने की। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला संघ चालक कैप्टन हंसराज, अटेली के पूर्व विधायक सीताराम यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रमोद शास्त्री, शिक्षाविद मनोज गौतम, रेडक्रॉस सचिव बलवान सिंह थे। मंच संचालन प्रवक्ता डा. जितेन्द्र भारद्वाज ने किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अध्यक्ष डा. संजय शर्मा के स्वागत भाषण से हुआ। समारोह में महेश जोशी ने कहा कि संघ की कार्यशैली में पद नहीं दायित्व होते हैं। रेडक्रॉस के महासचिव का जो दायित्व मिला है, वह सेवा के नए आयाम गढ़ने का अवसर है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार रेडक्रॉस के माध्यम से जनसेवा को जन जन तक पहुंचाना चाहती है। जिला संघ चालक कैप्टन हंसराज ने कहा कि संघ का कार्य ईश्वरीय कार्य है, संघ जाति, धर्म, रंग या बिना किसी भेदभाव सेवा कार्यों को अंजाम देता है। यही संघ की उत्कृष्टता है। भाजपा के जिला अध्यक्ष यतेन्द्र यादव ने कहा कि रेडक्रॉस जैसी महत्वपूर्ण संस्था के महासचिव के रूप में महेश जोशी को चुनकर हरियाणा सरकार ने सुशासन के अपने निश्चय को स्पष्ट कर दिया है। पूर्व विधायक सीताराम ने कहा कि संघ का एक एक कार्यकर्ता निष्काम सेवा की मूर्ति है। प्रमोद शास्त्री व मनोज गौतम ने कहा कि प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित यह समारोह सही अर्थों में सेवा का सम्मान था।

पूर्व जिला अध्यक्ष दयाराम यादव ने कहा कि महेश जोशी को सरकार ने यह दायित्व देकर पूरे जिले का मान किया है। समारोह में पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष शिवकुमार मेहता, विपिन शर्मा, डा. कृष्णा आर्य, जिला कमांडर टेकचंद यादव, अमीचंद सैनी, धर्मपाल शर्मा, डा. जितेन्द्र, राकेश शर्मा ने भी विचार रखे।

नारनौल। कार्यक्रम में महेश जोशी को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

यह रहे उपस्थित

जिला स्तरीय सम्मान समारोह में नगर संघ चालक विजय शर्मा, संघ से मनीप्रकाश, यशराज जिला विस्तारक, मुकेश शर्मा, ट्रस्टी राकेश शर्मा, दिनेश कुमार प्राचार्य, ब्रिगेड ऑफिसर विजय कुमार सतनाली, प्रेम शर्मा, भारत भूषण यादव, अजय कुमार झाडोलिया, नरोतम सोनी, डा. जितेन्द्र भारद्वाज, अमित शर्मा, मुकुल शर्मा, हिरेन, देव शर्मा, प्रभाष छक्कड़, राजकुमार गौड़, मनोज निर्मल, दिनेश शर्मा, सुदेश भारद्वाज, राकेश शर्मा, गोबिंद कुमार अधिवक्ता, पर्यावरणविद कृष्ण कुमार एडवोकेट, प्रदीप यादव, अनूप सिंह, छत्रसिंह वर्मा, पवित्र कुमारी, धर्मपाल शर्मा, सुशील चौटाला, मुरारीलाल शर्मा, बनवारी लाल एडवोकेट, अरुण शर्मा, धीरज भयाना, रोटेरियन पवन यादव, डा. पंकज गौड़ आदि मौजूद थे।

संस्थाओं ने किया सम्मानित

ट्रस्टी नरोतम सोनी व भीमसेन शर्मा ने बताया कि रेडक्रॉस के महासचिव बनने के उपरान्त प्रथम बार नारनौल पहुंचे महेश जोशी के सम्मान में नगर की अनेक संस्थाएं उपस्थित रही। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की टीम से डा. संजय शर्मा, डा. जितेन्द्र भारद्वाज, दिनेश शर्मा, भीमसेन शर्मा, राकेश कुमार, अजय शर्मा, अमित कुमार की टीम ने महेश जोशी का अभिनन्दन किया। टिंकू प्रधान के नेतृत्व में युवा साथी की पूरी टीम व महिला टीम ने महसचिव का अंगवस्त्रम, स्मृति चिह्न और फूलमालाओं से स्वागत किया। भाविप के अध्यक्ष कविन्द्र सचदेवा ने संस्था के तरफ से सम्मान किया। गौड़ ब्राहमण सभा, युवा सेवक संघ, भगवान परशुराम सेवा समिति, रोटरी क्लब, किशनलाल शिक्षा एवं जनसेवा समिति, शांति शिक्षा समिति गणेश कॉलोनी, बाल कल्याण परिषद से विपिन शर्मा, सनातन धर्म सभा, उड़ान जनसेवा ट्रस्ट, लोक संस्कृति प्रकोष्ठ, मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल, साहित्य संस्कृति मंच अटेली, रेडक्रॉस विभाग, सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ, हम भाई ग्रुप, गुरुनानक स्पोर्ट्स गौतम मिग्नाली, डिविजनल कमांडर टेकचंद यादव, एसपी सिंह सहित अनेक संस्थाओं ने महासचिव को सम्मानित किया।

रेवाड़ी। लोगों को बाबा साहेब का चित्र भेंट करते वीर कुमार यादव।

अंबेडकर का संविधान भारत के प्रत्येक नागरिक को सम्मान देता: वीर कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

भाजपा के वरिष्ठ नेता वीर कुमार यादव ने कहा कि भारत वासियों को उत्तर से दक्षिण तक व पूर्व से पश्चिम तक आज अनेकता में एकता का संदेश देने वाला भारत का संविधान 140 करोड़ अगर एक सूत्र में बांधने में सफल हुआ है तो इसका श्रेय बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर को जाता है। उन्होंने ऐसा संविधान दिया जो भारत के प्रत्येक नागरिक को सम्मान देता है।

एक साथ जोड़ता है। एक साथ आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करता है। भाजपा की ओर से भारत रत्न डा. अंबेडकर जयंती के अवसर पर प्रदेशभर में हरिजन बस्तीयों में चलाए जा रहे जनसमपर्क अभियान के अन्तर्गत पार्टी के वरिष्ठ नेता अनूसूचित बस्तियों में जाकर प्रबुद्ध व्यक्तियों से मुलाकात कर लोगों को डा.अम्बेडकर के जीवन के बारे जानकारी दे रहे है और इससे संबंधित साहित्य एवं उनके चित्र वितरित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर सरपंच मनोज कुमार, आनंद पुनिया, नीरज कुमार, राहुल, बहादुर, प्रमोद शास्त्री व संजय राव सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

फ्री हेल्थ कैंप का 128 लोगों ने उठाया लाभ

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में 128 लोगों को निःशुल्क ओपीडी सेवाएं व दवाईयां प्रदान की गई। कैंप में डा. एचआर यादव ने मेडिसिन, डा. अनिल यादव ने हड्डीरोग, डा. अभिनव राव ने सर्जरी, डा. अजीत सिंह यादव ने चर्मरोग व डा. अजीत यादव ने बालरोग के मरीजों की जांच कर उचित परामर्श दिश। इसके अलावा लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव ने मरीजों को फिजियोथरेपी की सेवाएं दी। शिविर के आयोजन में सभा के प्रधान रामबीर यादव, डा.यशपाल यादव, जसवंत सिंह यादव, सुरेंद्र सिंह,अमर सिंह, सभा प्रवक्ता सतीश यादव, राम सिंह, गोकल राम व बिक्रम ने सहयोग दिया।

पहलगाम के दिवंगत पर्यटकों की स्मृति में किया श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सामाजिक संस्था सेवा स्तम्भ की ओर से रविवार को प्रधान भगत सिंह सांभरिया की अध्यक्षता में मॉडल टाउन स्थित डा. भीमराव अंबेडकर लाइब्रेरी में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें पहलगाम जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले पर्यटकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सभा की शुरूआत में सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके पश्चात कैंडल जलाकर शोक व्यक्त किया। इस मौके पर संस्था प्रमुख ने कहा कि यह दुर्घटना सभी देशवासियों के लिए अत्यंत दुखद है। सरकार को ऐसे जघन्य अपराध पर ठोस कदम उठाने चाहिए। सभा में आरपी सिंह दहिया वरिष्ठ उप प्रधान, अजीत सिंह वरिष्ठ उप प्रधान, एडवोकेट राजकुमार जलवा विधि सलाहकार, सत्यवीर गोठवाल ऑडिटर, सत्यप्रकाश नैचाना एग्जीक्यूटिव मेम्बर, सतीश कुमार, रोहित एवं रजनीश मौजूद थे। सभी ने मृतकों के परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की तथा सरकार से आतंकी हमले में जान गंवाने वालों के परिजनों के लिए उचित सहायता एवं सहयोग देने की अपील की।

रेवाड़ी। पहलगाम के मृतकों को श्रृद्धासुमन अर्पित करते संस्था सदस्य।

निरंतर परिश्रम, समर्पण और संकल्प के साथ आगे बढ़ने पर मिलती है सफलता : शिवपुरी महाराज

- यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने पर बाबा मुक्तेश्वर पुरी मठ में तेजस्वा यादव का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली गांव निवासी तेजस्वा यादव ने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 308वीं रैंक प्राप्त कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे कोसली गांव एवं क्षेत्र का मान बढ़ाया है। इस उपलब्धि पर रविवार को कोसली के बाबा मुक्तेश्वरी मठ में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

तेजस्वा यादव को कैनाल रेस्ट हाउस कोसली से बाबा मुक्तेश्वर पुरी मठ तक लाया गया, जहां तेजस्वा का सम्मान किया गया। मठाधीश बाबा शिवपुरी महाराज ने तेजस्वा के उज्जवल भविष्य की कामना की। महाराज ने कहा कि प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती।

जो युवा निरंतर परिश्रम, समर्पण और संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं, उन्हें सफलता अवश्य मिलती है। तेजस्वा यादव की सफलता क्षेत्र के सभी युवाओं के लिए प्रेरणा का प्रकाशपुंज बनेगी।

तेजस्वा यादव ने समारोह में उपस्थित सभी ग्रामवासियों, गुरुजनों, तथा परिजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और गांव के बड़े-बुजुर्गों के आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन को दिया।

तेजस्वा ने कहा कि कड़ी मेहनत, धैर्य और दृढ़ निश्चय से कोई भी सपना साकार किया जा सकता है।

रेवाड़ी। तेजस्वा यादव को सम्मानित करते गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि

गवर्नमेंट स्कूल के विद्यार्थियों को बुक बैंक से मिली पुस्तकें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली के गुरु राम अवतार यादव बुक बैंक की ओर से आंबोली गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 9वीं के 15 विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तकें वितरित की गई। बुक बैंक के संस्थापक डा. महावीर सिंह निर्दोष ने बताया कि यह बुक बैंक उन्होंने अपने गुरु रामअवतार यादव नीलाहेड़ी के सम्मान में स्थापित किया है।

बुक बैंक का उद्देश्य क्षेत्र के जरूर मंद बच्चों को पुस्तकें प्रदान करना है। बुक बैंक में छात्र अपनी पुरानी पुस्तकें जमा करा कर अगली कक्षा की पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं। बुक बैंक से किसी भी क्षेत्र का छात्र लाभ ले सकता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंगलमुखी पूजा यादव ने कहा कि जरूरतमंद बच्चों को किसी भी प्रकार की जरूरत के लिए वे हमेशा तैयार है। गजलकार सत्यवान सत्य ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम में भान सिंह जाखड़ सरपंच आंबोली, अनारबाला, एसएमसी प्रधान दीपक, उप प्रधान सतीश, मंगलमुखी कोमल शर्मा, रूपा राजपूत, राजेंद्र सिंह प्रवक्ता, प्रदीप कुमार, अनूप सुरेंद्र, निकल, नरेश, आकाश, हंस प्रकाश, विनोद व जयवीर सहित विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्य सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भार्गव काम्प्लेक्स में लगे ब्लड कैंप में 53 यूनिट रक्तदान एकत्र

रेवाड़ी। लायंस क्लब पॉजिटिव हेल्थ, ह्यूमन हेल्प वेलफेयर ट्रस्ट एवं भार्गव युवा संघ के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को भार्गव काम्प्लेक्स में रक्तदान शिविर लगाया गया। लायंस क्लब पॉजिटिव हेल्थ के डायरेक्टर डा. संजीव अरोड़ा के मार्गदर्शन में आयोजित कैंप में 53 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। सिविल हॉस्पिटल और रेडक्रॉस सोसाइटी से टीम ने कैंप में सहयोग दिया। इस मौके पर क्लब से सचिव हर्ष पसरीचा, कोषाध्यक्ष अंकेश भार्गव, राहुल भार्गव, निखिल वर्मा, अंकुर भार्गव दिनेश कंसल, मुकुल मित्तल, विनीता यादव, विनय भार्गव और ह्यूमन हेल्प ट्रस्ट के संस्थापक बलजीत सैनी, दीपक लाल, योगेश कुमार एवं मनीष कुमार उपस्थित थे। आल इंडिया भार्गव सभा के नवनिर्वाचित प्रेजिडेंट अनिल भार्गव ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। ट्रस्ट के संस्थापक बलजीत सैनी ने बताया की संस्था से जुड़े रक्तदाता नियमित रूप से रक्तदान करते रहते है। कैंप में 20 साल के कार्तिक ने पहली बार रक्तदान किया, जबकि 44 साल के मुकेश कुमार ने 91वीं बार रक्तदान किया।

रुस्तगी सभा के शिविर में 350 से अधिक लोगों ने कराई स्वास्थ्य जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रुस्तगी सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित अग्रवाल भवन में आर्टिमिस अस्पताल के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 350 से अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराकर स्वास्थ्य की जांच कराई। रुस्तगी सभा के पूर्व प्रधान कुलदीप रुस्तगी ने बताया कि रुस्तगी समाज का यह पहला स्वास्थ्य जांच कैंप था, जिसमें वरिष्ठ चिकित्सकों ने शुगर, बीपी, घुटनों का दर्द, हार्ट अटैक व महिला रोग की जांच की। कुछ मरीजों की निःशुल्क ईसीजी भी की गई। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कैंप में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

कार्यक्रम में अग्रवाल सभा के प्रधान रिपुदमन गुप्ता, पूर्व प्रधान राधेश्याम गुप्ता, ब्रजलाल गोयल, महेश्वरी समाज से अशोक सोमानी, महावार समाज के प्रधान राजीव डाटा, पूर्व प्रधान नवल किशोर गुप्ता, वैश्य समाज से दुर्गादत्त गोयल, मनोज गोयल गुड़ियानी, खंडेलवाल समाज के प्रधान सुरेन्द्र खंडेलवाल, दीपक अग्रवाल, विनयशील गोयल व मुकेश भट्ठेवाला सहित बावल, नांगल, डूंगरवास, धारूहेड़ा व नंदरामपुर बास से रुस्तगी समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रेवाड़ी। कैंप में महिला की जांच करते हुए डॉक्टर।

कार्यक्रम | आरपीएस स्कूल में योगकला प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया

अंतर विद्यालयी प्रतियोगिता में तेरह स्कूलों के बच्चों ने किया योगकला का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल धारूहेड़ा में प्रथम अंतर विद्यालयी योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 6 से 15 आयु वर्ग के अनेक विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी योगकला का प्रदर्शन किया।

रेवाड़ी और आसपास के जिलों के 13 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में प्रतिभागिता की। आरपीएस समूह की अध्यक्ष डा. पवित्रा राव ने दीप प्रज्ज्वलित करके प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। सभी विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता के पारंपरिक और कलात्मक दोनों ही वर्गों में आकर्षक प्रस्तुति दी। आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल धारूहेड़ा ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम, आरपीएस पब्लिक स्कूल धारूहेड़ा द्वितीय तथा एमबीएलएम स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर डा. पवित्रा राव ने कहा कि योग हमारे देश की प्राचीन विद्या है और वर्तमान समय में योग विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ही आवश्यक है। आरपीएस समूह की अध्यक्ष ने स्कूल स्टाफ के साथ विजेताओं को पुरस्कृत किया। स्कूल की प्राचार्या विजयश्री दंडवते ने विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर स्कूल के सभी शिक्षक मौजूद थे।

रेवाड़ी। प्रतियोगिता में योगकला का प्रदर्शन करते हुए छात्र तथा प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए।

यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने पर किसान के बेटे संजीव का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

गांव मस्तापुर में किसान के पुत्र संजीव यादव ने आईएएस की परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने गांव और इलाके का नाम रोशन किया है। संजीव यादव के सम्मान में रविवार को समारोह का आयोजन किया गया। कोसली के विधायक अनिल यादव ने संजीव का सम्मान किया।

डहीना के प्रमोद यादव ने 615 तथा मस्तापुर के संजीव ने 616वां रैंक हासिल कर कोसली हलके का गौरव बढ़ा दिया है। संजीव यादव भारत-तिब्बत सीमा पुलिस में असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर सेवारत थे। विधायक ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति विद्यार्थियों तथा अभिभावकों का विश्वास पहले से अधिक मजबूत हुआ है। संजीव यादव के आईएएस चुने जाने से ग्रामीण अंचल के छात्र-छात्राओं को जीवन में उन्नति के पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। इस मौके पर राजकुमार कतोपुरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र एवं सुभाष, पूर्व सरपंच सतबीर सिंह, जिलाउपाध्यक्ष रामदत्त भारद्वाज, सतीश यादव, राममेहर, सरपंच विजय कुमार, मा. जयसिंह, सदाराम, सुभाष यादव व रोहित आदि उपस्थित थे।

रेवाड़ी। संजीव यादव को सम्मानित करते विधायक अनिल यादव।

खबर संक्षेप

देव नगर कॉलोनी में जेवरात व नकदी चोरी

रेवाड़ी। शहर की देव नगर कॉलोनी स्थित एक मकान से चोर मकान मालिक व किरायेदार के जेवरात व नकदी चुरा ले गए। किरायेदार दारा सिंह ने रामपुरा पुलिस को बताया कि 25 अप्रैल रात को वह कंपनी में ड्यूटी पर गया हुआ था तथा घर पर कोई नहीं था। चोर रात को मकान से उसके कमरे में रखी अलमारी व मकान मालिक गणपत सिंह के कमरों से जेवरात व नकदी चुरा ले गए। चोर उसके कमरे से सोने का मंगल सूत्र, सोने की लोंग, एक जोड़ी चांदी की पायजेब, तीन जोड़ी चुटकी, दो अंगूठी तथा मकान मालिक की सोने की चैन, सोने का टीका, चांदी के पैरो के कड़े, एक जोड़ी पायजेब, तीन जोड़ी चुटकी, चांदी के सिक्के तथा 30 हजार रुपये की नकदी ले गए। पुलिस ने अज्ञात पर चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

युवक का अपहरण कर लाठी-डंडों से पीटा

रेवाड़ी। गांव शहबाजपुर खालसा में बाइक पर आए युवकों ने एक युवक का पिस्टल के बल पर अपहरण कर लिया तथा युवक को अन्य जगह ले जाकर उसके साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। शहबाजपुर खालसा निवासी सत्यम शुक्ला ने पुलिस को बताया कि वह आईटीआई का छात्र है और 23 अप्रैल को शाम करीब 5:30 बजेआईटीआई से पैदल घर जा रहा था। उसने आरोप लगाया कि तभी पीछे से दो बाइक पर पीतर उर्फ संदीप व मुंडी ने उसे रोक लिया और पिस्टल दिखाकर बाइक पर बाबा पंचबीर के पास ग्राउंड में ले गए, जाकर दोनों ने उसके साथ लाठी-डंडों व लोहें की राड से मारपीट की। तभी मौके पर रोहित भी आ गया और उसकी चांदी की चैन व जेब से 100 रुपए छीन लिए। जब उसने शोर मचाया तो वहां दो महिलाएं आ गई। महिलाओं के चिल्लाने पर अन्य लोग भी आ गए और सत्यम के परिवार को सूचना दी। इसके बाद आरोपी वहां से भाग गए। परिवार ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है जल्द ही आरोपियों पर कार्रवाई की जाएगी।

जैन पब्लिक स्कूल में हुआ प्रधानमंत्री के मन की बात का प्रसारण

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में देश की एकता और एकजुटता सबसे बड़ी ताकत: पूनिया

हरिभूमि न्यूज ⏭|रेवाड़ी

रेवाड़ी। मन की बात कार्यक्रम में मौजूद भाजपा कार्यकर्ता व स्कूल स्टाफ तथा कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करती डॉ. वंदना पोपली। फोटो : हरिभूमि

रविवार को जैन पब्लिक स्कूल के ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 121वें एपिसोड का लाइव प्रसारण किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली के नेतृत्व में अन्य पदाधिकारियों व स्कूल स्टाफ ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया उपस्थित थे।

विधायक लक्ष्मण यादव, कोसली विधायक अनिल यादव, पूर्व मंत्री डा. बनवारीलाल, राष्ट्रीय किसान मोर्चा के कोषाध्यक्ष रामपाल यादव, पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक हुकमचंद यादव, पीपीपी कोऑर्डिनेटर सतीश खोला, सफाई आयोग चेयरमैन कृष्णकुमार, नगर परिषद चेयरपर्सन पूनम यादव, वाइस चेयरमैन श्याम चुघ और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सिंहराम महलावत ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंच संचालन एडवोकेट कमल निंबल ने किया।

इस मौके पर प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुई आतंकी घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पूरा देश इस कायरतापूर्ण हमले से दुखी है और हर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का संकल्प लिया गया है। जैसे-जैसे कश्मीर में शांति बहाल हो रही थी, विकास और लोकतंत्र मजबूत हो रहे थे, वैसे-वैसे आतंक के आकाओं को यह सब रास नहीं आया और उन्होंने साजिश रची। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में देश की एकता और 140 करोड़ भारतीयों की एकजुटता सबसे बड़ी ताकत है। प्रदेश महामंत्री ने कहा कि पीएम मोदी ने भरोसा दिलाया कि इस आतंकी हमले के दोषियों को कठोर जवाब दिया जाएगा और पीड़ित परिवारों को अवश्य न्याय मिलेगा। भाजपा जिला अध्यक्ष डा. पोपली ने सभी कार्यकर्ताओं, जैन समाज के प्रधान महेंद्र जैन, जैन पब्लिक स्कूल के प्रधान प्रदीप जैन और स्कूल प्रबंधन व स्टाफ का धन्यवाद किया।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मन की बात कार्यक्रम के संयोजक प्रवीण शर्मा, रेवाड़ी मंडल अध्यक्ष दीपक अग्रवाल, समीर कालरा, नवीन यादव, अजित कोसलिया, दिनेश यादव, कोसली मंडल अध्यक्ष सविता बेरली, बावल मंडल अध्यक्ष बलराज यादव, धर्म सिंह, नरेश सरपंच, सुभाष चंद, रमेश झाबुआ, जिला मीडिया प्रभारी जतिन अनेजा, हिमांशु पालीवाल, बलजीत यादव, सौरभ यादव, एडवोकेट नितेश अग्रवाल, सावन सैनी, पूर्व नगर परिषद चेयरमैन विजय राव, अर्जुन चौकन, भगवानदास रंगा, दीपक मंगला, कुलदीप चौहान, गौरव शर्मा, नीतू चौधरी, अजय कांटीवाल, सुनील ग्रोवर, पार्षद रमेश भालिया, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रधान सचिन जैन, कृपा जेमिनी, रोहताश वाल्मीकि, जितेंद्र वाल्मीकि, परविंद्र किराड़, मुकेश रंगा, अजय रंगा, रामदत्त भारद्वाज, अमरजीत, मनीष यादव, गौरव कॉलोरिया, संजय बड़गुर्जर, धीरज यादव, सुरेंद्र वशिष्ठ, अनिल अरनेजा, रामसिंह सांभरिया, सरोज यादव कोसली, कविता गुप्ता, सुमन चौहान, नागेंद्र यादव, राजीव आहूजा, मुकेश सैनी, जुगनू सैनी,बीर सिंह छाबड़ी, रूपेश जैनाबाद, जयमाला कौशिक, गीता कुमारी बावल, पूनम बावल, दिव्या सैनी व दारा सिंह मौजूद थे।

रेवाड़ी। इंदौर रवाना हुआ दल विधायक के साथ। फोटो : हरिभूमि

जिले को स्वच्छ बनाने पर होगा मंथन

सफाई योद्धाओं का दल इंदौर के लिए रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭|रेवाड़ी

रेवाड़ी को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की मुहिम के तहत रविवार को विधायक लक्ष्मण सिंह यादव की अगुवाई में दो दर्जन से अधिक सफाई योद्धाओं व सफाई अभियान से जुड़े लोगों के दल देश के सबसे सुंदर शहर इंदौर के लिए रवाना हुआ। विधायक ने प्रतिनिधिमंडल की बस को झंडी दिखाकर रवाना किया। यह दल इंदौर की सफाई व्यवस्था व नगर परिषद की कार्यप्रणाली सहित विभिन्न विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान कर स्वच्छता को लेकर मंथन करेगा। इस मौके पर विधायक ने कहा कि उनका सपना शहर को एक स्वच्छ, साफ-सुधरा तथा हरा-भरा शहर बनाने का है। इसके लिए वह हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इसी दिशा में पिछले 26 सप्ताह से शहर के विभिन्न स्थानों पर सफाई अभियान चलाए जा चुके हैं। निजी स्कूल संचालकों व औद्योगिक प्रतिष्ठानों को शहर के विभिन्न चौक व रोड़ गोद देकर उनकी सफाई व्यवस्था के साथ-साथ उन्हें सुंदर बनाए जाने का जिम्मा सौंपा गया है। विधायक ने बताया कि यह दल आगामी दो दिनों तक इंदौर में रहेगा तथा वहां की सफाई व्यवस्था, कार्यप्रणाली, बदहाल शहर से सबसे सुंदर बनने की यात्रा पर मंथन करेगा। उन्होंने बताया कि दल को पांच टीमों में विभाजित किया गया है। जो इंदौर की सार्वजनिक शौचालय व्यवस्था, ठोस कचरा प्रबंधन, सीवरेज निकासी प्रणाली व सीवरेज पानी के ट्रीटमेंट, वायु प्रदूषण नियंत्रण तथा पानी के संरक्षण विषयों पर जानकारी हासिल करेगी तथा उस व्यवस्था को रेवाड़ी में किस प्रकार लागू किया जाए, इस पर विचारों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

आज भारत दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम: आरती राव

हरिभूमि न्यूज ⏭|रेवाड़ी

दुश्मनों को समझ लेना चाहिए कि अब हमारा देश पहले वाला नहीं है

प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि दुश्मनों को समझ लेना चाहिए कि अब हमारा देश पहले वाला देश नहीं है। भारत अब हर मोर्चे पर आतंकवाद और देशद्रोहियों से निपटने में सक्षम है। ये नए भारत की ताकत ही है कि दुश्मन अपनी कायराना हरकत के बाद आज थर-थर कांपने को मजबूर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को अपने दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देना बखूबी आता है। पीएम मोदी का आतंकवाद को जड़ मूल से मिटा देना का संकल्प है। उन्होंने कहा कि देश के गद्दारों और आतंकियों को पनाह देने वालों के ठिकानों को भी जमींदोज कर दिया जाएगा। आरती राव ने आतंकवाद को मानवता पर सबसे बड़ा हमला बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी ताकत और इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया है। आज भारत सिर्फ प्रतिक्रिया नहीं देता, बल्कि दुश्मन को मुंह तोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम है। जो भी देश की अखंडता और संप्रभुता पर आंख उठाएगा, उसे कठोरतम कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा हर देशवासी प्रहरी है। जो भी देशद्रोही गतिविधि नजर आए, उसे तुरंत कानून के हवाले करें। उन्होंने कहा कि नया भारत शांति, एकता और विकास के रास्ते पर तेजी से अग्रसर है, और इसमें बाधा डालने की किसी भी कोशिश को नाकाम किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं में ऐतिहासिक सुधार किए हैं। आने वाले समय में हरियाणा के हर नागरिक को उच्च गुणवत्ता और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

पहलगाम आतंकी हमले से पूरे देश में रोष युवाओं ने कैंडल मार्च निकाल जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭|रेवाड़ी

कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम के पर्यटन स्थल बैसरन घाटी में हुई आतंकी घटना को लेकर लोगों में भारी रोष है। गढ़ी बोलनी गांव के युवाओं ने गांव में कैंडल मार्च निकालकर पाकिस्तान के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया।

विश्व हिंदू परिषद की जिला मंत्री राजकुमार यादव कार्यक्रम में मुख्य वक्ता थे। उन्होंने ने कहा कि आतंकवादियों ने पहलगाम में खुलेआम नरसंहार किया है। जिन वादियों में देशभर से सैलानी घूमने पहुंचे थे, उसी वादी में 27 सैलानियों को धर्म के आधार पर मौत के घाट उतारा गया। घटना में 20 से ज्यादा लोग घायल हैं। हमला उस वक्त किया गया, जब बैसरन घाटी में बड़ी तादाद में पर्यटक मौजूद थे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने आतंकी हमले की कड़ी निंदा की तथा सभी हिंदुओं को एकजुट रहने का आह्वान भी किया।

रेवाड़ी। गांव में कैंडल मार्च निकालते हुए युवा। फोटो : हरिभूमि

इस मौके पर विहिप प्रखंड मंत्री करमचंद यादव, उपाध्यक्ष हरिकृष्ण यादव, नरेंद्र शर्मा, विद्यासागर गुड्डू, प्रकाशवीर रिटायर्ड नायब तहसीलदार, कैप्टन हरदयाल यादव, रामनिवास यादव, रामजस यादव, नागेंद्र शर्मा, हरीकृषण यादव, पवन यादव पोमी, नरेश मडडु, पवन बंजारा, मोंटी भारद्वाज, कपिल अत्री, हर्ष जांगिड़ व, मुकेश राव सहित अनेक लोग मौजूद थे।

मेघवाल उत्थान समिति ने दी श्रद्धांजलि

रेवाड़ी। कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष लोगों पर हुए आतंकी हमले को लेकर मेघवाल समाज ने निंदा की है। बावल स्थित मेघवाल उत्थान समिति के कार्यालय में रविवार को सावंत सिंह सरपंच की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। समिति के सचिव भूपेन्द्र शेखपुर ने कहा कि पहलगाम में हुई बर्बरता से पूरे देश में आक्रोश है। संरक्षक वेदप्रकाश नांगल तेजू ने कहा कि ऐसी कायरता पूर्ण हरकत बुजदिलों द्वारा की जाती है। समिति के अध्यक्ष सूरजभान ने कहा कि सरकार इस कायराना हरकत के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दे। सभी लोगों को कैंडल जलाकर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मेघवाल उत्थान समिति के कोषाध्यक्ष बलबीर सिंह, शिक्षाविद अशोक मेघवाल, परमेश्वर, विक्रम मास्टर बेरवाल, रमेशचंद सूबेदार, फतेसिंह नंगली परसापुर, रूड़ाराम, लक्ष्मीनारायण,रविंद्र सरपंच, भूपसिंह, शीशराम, रिछपाल, कंवर सिंह, शुभराम, श्योचंद मेघवाल,डा. रघुनाथ मेघवाल, हवासिंह, लालचंद फोरमैन, तेजपाल व सतीश सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित थे।

उपभोक्ता फोरम ने बिजली निगम पर लगाया जुर्माना, उपभोक्ता को 30 दिन में देनी होगी राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭|रेवाड़ी

- बिजली निगम ने नवंबर 2023 में पुराने मीटर में गड़बड़ी पाए जाने पर उपभोक्ता पर लगाया था डेढ़ लाख का जुर्माना

जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एक उपभोक्ता के मीटर में गड़बड़ी पाए जाने पर उस पर डेढ़ लाख से ज्यादा जुर्माना लगाने के मामले में दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम पर जुर्माना लगाया है। वाद दायर करने वाले उपभोक्ता को निगम की ओर से दस हजार रुपये मानसिक प्रताड़ना और 11 हजार रुपये वाद खर्च के देने होंगे। उपभोक्ता ने आयोग में एक साल पहले वाद दायर किया था, जिस पर फैसला सुनाते हुए आयोग ने जुर्माना लगाया है। जुर्माने की राशि निगम को 30 दिन के अंदर देनी होगी।

गांव बोड़यिा कमालपुर के रहने वाले अजय कुमार ने बताया कि नवंबर 2023 को बिजली निगम के दो अधिकारी उनके घर पहुंचे और बताया कि उनका मीटर सही रीडिंग नहीं दिखा रहा है। इस पर फरवरी 2024 में निगम ने मीटर को बदलकर नया लगा दिया और पुराने मीटर को जांच के लिए भेज दिया। जांच के बाद उपभोक्ता पर निगम ने एक लाख 51 हजार 527 रुपये का जुर्माना ठोक दिया। अजय ने इसके विरुद्ध अप्रैल 2024 में अधिवक्ता मीनाक्षी कुमारी के जरिए उपभोक्ता आयोग में वाद दायर किया था। उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने अब एक साल बाद बिजली निगम पर ही जुर्माना लगा दिया है।

गर्मी व हीट वेव से बचाव के लिए एहतियात बरतें : डीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭|रेवाड़ी

गर्मी के मौसम में हवा के गर्म थपेड़ों और बढ़े हुए तापमान से लू लगने का खतरा बढ़ जाता है, खासकर धूप में घूमने वालों, खिलाड़ियों, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि आमजन हीट वेव से बचाव के लिए स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें व समाचार पत्र पढ़ें। गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं-भले ही प्यास न लगी हो। ओआरएस, घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी, नींबू पानी व छाछ का सेवन करें। पार्किंग में बच्चों को वाहनों में छोडकर न जाएं, उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है, खेत खलिहान में काम कर रहे हैं तो समय-समय पर पेड़ या छाया में ही आसरा लें। गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन न करें। ताजे फल, सलाद तथा घर में बना खाना ही खाएं। यदि बच्चे को उल्टी, घबराहट, तेज सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो तो चिकित्सक को दिखाएं। अभिषेक मीणा ने कहा कि बढ़ती गर्मी में वृद्ध एवं कमजोर व्यक्तियों की खास देखभाल करें, तेज गर्मी, खासतौर से जब वे अकेले हों तो कम से कम दिन में दो बार उनकी जांच करें।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

रेवाड़ी। आतंकवाद का पुतला फूंकते हिंदू संगठन। फोटो : हरिभूमि

संगठनों ने पहलगाम घटना के विरोध में पुतला फूंका

धारूहेड़ा। पहलगाम में हुई आतंकी घटना के विरोध में हिंदू समाज की ओर से धारूहेड़ा के ज्योतिबा फूले पार्क में प्रदर्शन किया गया। हिंदू संगठनों ने आतंकवाद का पुतला भी फूंका। हिंदू संगठनों ने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद नगर अध्यक्ष जितेन्द्र यादव ने कहा कि हिंदुओं में इस घटना को लेकर रोष बढ़ता जा रहा है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे भारत को हिला कर रख दिया है। बजरंग दल संयोजक रोहित यादव ने कहा कि केंद्र सरकार से आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने की अपील की। रिटायर्ड सुबेदार मेजर चंद्रबोस ने कहा कि देश से मुस्लिम और बांग्लादेशियों को जल्द बाहर निकाला जाए।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

जड़थल में चोरों का उत्पात, कई किसानों के नलकूपों पर चोरी

रेवाड़ी। शनिवार की रात चोरों ने जड़थल गांव के खेतों में जमकर उत्पात मचाते हुए एक बिजली ट्रांसफार्म व सात किसानों के नलकूपों से बिजली की केबल तथा फव्वारा सैट चोरी कर लिए। कसोला पुलिस ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में जड़थल निवासी कैलाश ने बताया कि उसने कासन निवासी मदन का जड़थल में खेत ले रखा है। रात को चोर खेत के ट्यूबवेल पर लगा बिजली ट्रांसफार्मर चोरी कर ले गए। आसपास पूछताछ करने के बाद पता चला कि चोरों ने टेकचंद, महेश, लालचंद, गिरवर, मोहर सिंह, साल्हावास निवासी रतिराम व आशियाकी निवासी बिजेंद्र के खेतों से बिजली की केबलें चोरी कर ले गए।

सलाह

हम सब यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि बच्चा साइबर अपराध का शिकार न बने

अपने बच्चे को सोशल मीडिया का इस्तेमाल न करने दें अभिभावक, करें मार्गदर्शन: एसपी हेमेंद्र

- साइबर अपराध कंप्यूटर नेटवर्क, कंप्यूटर संसाधनों या समग्र रूप से डिजिटल संचार उपकरणों की मदद से किए गए अपराध

हरिभूमि न्यूज ⏭|रेवाड़ी

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने अभिभावकों को सलाह दी है कि वे अपने बच्चों को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि हम सब यह सुनिश्चित करना चाहते है कि बच्चा साइबर अपराध का शिकार न बने। इसके लिए हमें बच्चों की निगरानी करनी पड़ेगी। निगरानी की कमी खतरनाक साबित हो सकती है। एसपी ने कहा कि अक्सर बच्चों को उपकरणों के साथ-साथ संवेदनशील व्यक्तिगत वित्तीय डेटा तक माता पिता की निगरानी के बिना एक्सेस करते देखा जाता हैं। अपने माता-पिता के फोन तक पहुंच बेहद खतरनाक है, क्योंकि बच्चे इंटरनेट पर हिंसक या आपत्ति जनक सामग्री के संपर्क में आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध कंप्यूटर नेटवर्क, कंप्यूटर संसाधनों या समग्र रूप से डिजिटल संचार उपकरणों की मदद से किए गए अपराध हैं, जबकि बच्चे इस तरह के अपराधों के लिए सबसे अधिक संवेदनशील होते हैं वे किशोर अपराधियों में भी बदल सकते हैं।

एसपी हेमेन्द्र कुमार मीणा।

एसपी ने कहा की बच्चे अपने सोशल मीडिया या मैसेजिंग सेवाओं के माध्यम से बिना निगरानी और पर्यवेक्षण के इंटरनेट का उपयोग करते है और इंटरनेट के माध्यम से अजनबियों के संपर्क में रहते है। इंटरनेट के युग में स्कूल में भी इंटरनेट आधारित असाइनमेंट दिए जाते हैं।

कई बच्चे अनजाने में मैसेजिंग साइट्स के जरिए अपने दोस्तों के साथ पर्सनल फोटो या सेल्फी शेयर करते हैं, लेकिन ये छिपा हुआ उत्पीड़न हैं। अभिभावक ये कभी नहीं जान पाते कि सामग्री प्राप्त करने वाले बच्चे की अनुपस्थिति में कौन उसका फोन का उपयोग कर सकता है। एसपी ने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों की निगरानी रखे, जब आप आसपास न हों तो अपने बच्चे को सोशल मीडिया का इस्तेमाल न करने दें और उनका मार्गदर्शन करे। अपने बच्चे को सोशल मीडिया पर रिपोर्ट करना, ब्लॉक करना और साइबर अपराधियों से बचने बारे सिखाएं। बच्चे को असली और नकली प्रोफाइल में फर्क पहचानना सिखाए। बच्चों से कहें कि वह अकेले में ऑनलाइन शॉपिंग का विकल्प न चुनें। उन्हे बताए कि ऑनलाइन शॉपिंग में आपके कार्ड का प्रतिरूपण हो सकता है। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम होने पर अपने बच्चे को पुलिस तक पहुंचना सिखाएं। अपने बच्चों को साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में भी जागरूक करें।